

[This question paper contains 6 printed pages.]

1063

Your Roll No.

आपका अनुक्रमांक _____

B.A. (Hons.)/II

J

PHILOSOPHY – Paper-III

(History of Western Philosophy)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित
स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :— Answers may be written either in English or in Hindi; but
the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में
दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any five questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. "We (should) abstain from accepting the false for the truth, and always preserve in our thoughts the order necessary for the deduction of one truth from another."
- Descartes

Explain the philosophical method of Descartes in the light of above statement.

"..... सत्य के स्थान पर असत्य को स्वीकार करने से हमें बचना चाहिए, और अपने विचारों के उस क्रम को सदा बनाए रखना चाहिए जो एक सत्य से दूसरे सत्य के निगमन के लिए अनिवार्य है।"

- डेकार्ट

डेकार्ट की दार्शनिक पद्धति की व्याख्या उपर्युक्त कथन के प्रकाश में कीजिये।

OR (अथवा)

Explain how Descartes' first principle "I think therefore I am" raises the problem of mind-body dualism? Has Descartes been successful in solving this problem? Discuss.

किस तरह डेकार्ट के प्रथम सिद्धान्त "मैं सोचता हूँ अतः मैं हूँ" से मन-शरीर द्वैतवाद की समस्या उत्पन्न होती है? व्याख्या कीजिये। क्या डेकार्ट इस समस्या को सुलझाने में सफल रहे हैं? विवेचन कीजिये।

2. How does Leibnitz reject Descartes' proofs for the existence of God? Explain with reference to his "Critical Remarks concerning the General Part of Descartes' Principles".

ईश्वर की सत्ता को स्थापित करने के लिए डेकार्ट द्वारा दिए गए प्रमाणों का लाइबनिट्ज़ किस तरह खण्डन करते हैं ? उनके "क्रिटिकल रिमार्क्स कन्सरनिंग द जनरल पार्ट ऑफ डेकार्टस् प्रिंसिपल्स" के संदर्भ में इसे समझाएँ ।

OR (अथवा)

How do Descartes and Leibnitz differ in their opinions regarding the problem of error ? Explain.

डेकार्ट और लाइबनिट्ज़ किस तरह भ्रान्ति की समस्या को लेकर एक दूसरे से भिन्न हैं ? व्याख्या कीजिए ।

3. What according to Spinoza is Being ? Explain the four kinds of beings with reference to both God and man.

स्पिनोज़ा के अनुसार सत्त क्या है ? ईश्वर और मनुष्य के संदर्भ में चार तरह के तत्त्वों की व्याख्या कीजिए ।

OR (अथवा)

Explain the various characteristic features of God that Spinoza discusses in his "Thoughts on Metaphysics".

स्पिनोज़ा द्वारा उनके "थॉट्स ऑफ़ मेटाफिजिक्स" में बताए गए ईश्वर के विभिन्न लक्षणों की व्याख्या कीजिए ।

4. "It seems a near contradiction to say that there are truths imprinted on the soul..." Explain Locke's reaction to such 'truths' in the light of this statement.

"यह कहना विरोधाभास ही प्रतीत होता है कि ऐसे सत्य हैं जो आत्मा पर अभिलिखित हैं..." - इस कथन के प्रकाश में ऐसे- 'सत्यों' पर लॉक की प्रतिक्रिया की व्याख्या कीजिए।

OR (अथवा)

How do ideas originate in the mind according to Locke? Discuss.

लॉक के अनुसार मनस् में प्रत्यय कैसे उत्पन्न होते हैं? विवेचन कीजिए।

5. Explain Berkeley's rejection of the idea of the material substance.

भौतिक द्रव्य विषयक अवधारणा की बर्कले द्वारा किए गए खण्डन की व्याख्या कीजिए।

OR (अथवा)

How does Philonous refute Hylas' distinction between primary and secondary qualities? Discuss.

हायलस द्वारा किए गए प्राथमिक एवं गौण गुणों के अन्तर का खण्डन फिलोनस किस प्रकार करते हैं? विवेचन कीजिए।

6. "When ... a philosophical term is employed without any meaning or idea, we need but to inquire, from what impression is that supposed idea derived."

— Hume

Discuss.

"जब ... किसी दार्शनिक पद का प्रयोग बिना किसी अर्थ या प्रत्यय के किया जाता है, तब हमें केवल यह पता लगाना चाहिए कि यह तथाकथित प्रत्यय किस संस्कार से प्राप्त हुआ है।" — ह्यूम

विवेचन कीजिए।

OR (अथवा)

"... why do we conclude that such particular causes must have necessarily such particular effects." Explain in the context of this statement, Hume's view that causal relation is not necessary.

"... हम यह निष्कर्ष क्यों निकालते हैं कि ऐसे विशिष्ट कारणों के ऐसे विशिष्ट कार्य ही अनिवार्य रूप से होने चाहिए।" इस कथन के सन्दर्भ में ह्यूम के इस मत की व्याख्या कीजिए कि कारणता विषयक सम्बन्ध अनिवार्य नहीं हैं।

7. Explain Kant's concept of Space and Time as discussed in his Prolegomena.

कान्ट द्वारा प्रोलेगोमेना में दिये गये देश और काल की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

OR (अथवा)

What are synthetic a priori judgements? Are these judgements possible in metaphysics? Explain.

संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक कथन क्या हैं? क्या इस प्रकार के कथन तत्त्वमीमांसा में संभव हैं? व्याख्या कीजिये।